India External Relations
Chapter-4
भारत के विदेश सम्बन्ध

Q.1) भारत की विदेश नीति के आंतरिक और बाह्य निर्धारक तत्वों का वर्णन कीजिए
Ans भारत की विदेश नीति आंतरिक और बाह्य निर्धारक तत्व निम्न हैं

आंतरिक तत्व	बाह्य तत्व
(i) देश की आंतरिक परिस्थिति और शांति	(i) अंतराष्ट्रीय परिस्थितियाँ
(ii) देश की भौगोलिक स्थिति	(ii) अंतराष्ट्रीय संधि या समझौते,
(iii) देश का मुख्य नेतृत्व	(iii) अंतराष्ट्रीय कानून और प्रथाएँ
(iv) देश के मुख्य आदर्श और सिद्धांत	(iv) अंतराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएँ

Q.2) नेहरू के विदेश नीति के चार सिद्धांत बताइये
Ans नेहरू के विदेश नीति के चार सिद्धान्त निम्न है

(1) सम्प्रभुता को बनाए रखना :- किसी देश का राष्ट्रीय हित उसकी सम्प्रभुता को बनाए रखना होता है, भारत के विदेश नीति में निर्माताओं ने एक सम्प्रभु, उपागम (साधन) का अनुसरण किया जो भारतीयों को गर्व का अहसास प्रदान करता है।

(2) विश्व शांति को प्रोत्साहन :- भारत ने विश्व शांति को प्रोत्साहित किया। इन्होंने सामाजिक सांस्कृतिक वैज्ञानिक तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग का पक्ष लिया तथा विवादों के शांति पूर्ण निपटारे पर जोर दिया।

(3) संयुक्त राष्ट्र संघ का सहयोग :- भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ को शीत युद्ध के तनाव को कम करके विश्व शांति के संवर्द्धन निरस्त्रीकरण ~~आदि आदि~~ का पक्ष लिया।